डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र
सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय
15, जनपथ, नई दिल्ली – 110001

शोध-पत्र आमंत्रण

पत्रिका का नाम: *सामाजिक न्याय संदेश*, अंक: अप्रैल-जून 2026, वर्ष: 22, अंक: 02

विशेषांक का विषय: वरिष्ठ नागरिक कल्याण

पत्रिका के विषय में: पिछले दो दशकों से अधिक समय से *सामाजिक न्याय संदेश* एक समकक्ष-समीक्षित, अंतर्विषयी अकादमिक पत्रिका के रूप में गंभीर शोध, आलोचनात्मक अन्वेषण तथा बौद्धिक, सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं सामाजिक परम्पराओं पर विचारपूर्ण संवाद का सशक्त मंच रही है। यह पत्रिका डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र (DAIC) द्वारा प्रकाशित की जाती है। DAIC एक विचार-कोष (थिंक टैंक) तथा उत्कृष्टता का केन्द्र है, जो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के संरक्षण में शोध, शैक्षणिक संवाद, नीति-उन्मुख अध्ययन तथा ज्ञान-प्रसार के लिए समर्पित है। केन्द्र का उद्देश्य प्रकाशनों, संगोष्ठियों, व्याख्यानों एवं सहयोगात्मक शैक्षणिक पहलों के माध्यम से सुदृढ़ विद्वत्ता, अंतर्विषयी शोध तथा सूचित संवाद को प्रोत्साहित करना है।

डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र (DAIC) के विषय में
डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र (DAIC) एक विश्वस्तरीय विचार-कोष के रूप में तथा सामाजिक, आर्थिक, संवैधानिक और वैश्विक विषयों पर नीति-संवाद के अग्रणी केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है। यह उन विरल संस्थानों में से एक है जहाँ शैक्षणिक उत्कृष्टता, सांस्कृतिक सहभागिता, शासकीय संवाद और जन-सहभागिता का संतुलित एवं सार्थक समन्वय दृष्टिगोचर होता है। DAIC का बौद्धिक केन्द्र उसका समृद्ध एवं विविध पुस्तकालय है, जिसमें 8,497 से अधिक पुस्तकें, लगभग 100 देशों के संविधान, 238 ब्रेल पुस्तकें तथा राजनीतिक चिन्तन, भारतीय भाषाएँ, पाली एवं बौद्ध अध्ययन, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, लोक-प्रशासन एवं अन्य विषयों से संबंधित दुर्लभ संग्रह उपलब्ध हैं। DELNET तथा वैश्विक ई-पुस्तकालय सेवाओं से संबद्धता के माध्यम से DAIC लाखों ई-पुस्तकों, शोध-पत्रिकाओं एवं अनुसंधान सामग्रियों तक निःशुल्क पहुँच प्रदान करता है। श्री आकाश पाटील के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केन्द्र की गतिविधियों की गुणवत्ता, व्यापकता तथा सामाजिक प्रभाव में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे राष्ट्र-निर्माण की बौद्धिक आधारशिला और अधिक सुदृढ़ हुई है। "विकसित भारत 2047" के लक्ष्य की ओर अग्रसर भारत के लिए केवल भौतिक प्रगति पर्याप्त नहीं है बल्कि इस यात्रा के लिए बौद्धिक सामर्थ्य, नागरिक चेतना, नैतिक मूल्य तथा सामाजिक न्याय अनिवार्य हैं। डॉ. अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र इस राष्ट्रीय यात्रा का एक महत्वपूर्ण स्तम्भ है, जो विचारों के माध्यम से भविष्य का निर्माण कर रहा है।

प्रेषण दिशा-निर्देश:

- **शब्द-सीमा:** 3,000–5,000 शब्द (टिप्पणियाँ सम्मिलित, संदर्भ सूची अपवर्जित), **सारांश** (Abstract):250–300 शब्द, **प्रमुख शब्द** (Keywords):4–6, **फ़ॉन्ट:** Unicode Font (Mangal)/ Kruti Dev 010, **फ़ॉन्ट आकार**: 12, **बिंदुपंक्ति-अंतराल:** 1.5, **फ़ाइल प्रारूप:** MSWord (.doc/.docx), **लेखक विवरण:** नाम, संस्थागत संबद्धता, ORCID (यदि उपलब्ध हो), संक्षिप्त परिचय (50–75 शब्द)
- प्रस्तुत शोध-पत्र **वरिष्ठ नागरिक कल्याण** विषय से प्रत्यक्ष एवं सारगर्भित रूप से संबद्ध होने चाहिए।
- **संदर्भ एवं उद्धरण शैली:** लेखकों को सम्पूर्ण पाण्डुलिपि में केवल एक ही संदर्भ शैली का कठोरता से पालन करना होगा। विभिन्न शैलियों का मिश्रण अनुमन्य नहीं है। पत्रिका निम्नलिखित शैलियों के नवीनतम संस्करण स्वीकार करती है—**APA** (American Psychological Association) / **MLA** (Modern Language Association)।
- **पाठ-आंतरिक उद्धरण (यथानुसार): APA:** (लेखक, वर्ष, पृ. xx)/ **MLA:** (लेखक पृष्ठ)।
- सभी प्रस्तुतियाँ समीक्षा प्रक्रिया से होकर गुजरेंगी। संपादकीय मंडल को शोध-पत्र स्वीकार करने, संशोधन हेतु लौटाने अथवा अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित है।

*अधिक जानकारी अथवा किसी भी प्रकार की सहायता के लिए कृपया snsdaic123@gmail.com पर संपर्क करें या 011-23477505 पर दूरभाष करें।

स्वीकृत भाषाएँ: हिंदी
महत्वपूर्ण तिथियाँ

- शोध-पत्र प्रेषण की अंतिम तिथि: **26 अप्रैल 2026**
- प्रकाशन: **30 जून 2026**

प्रेषण ई-मेल: snsdaic123@gmail.com *(विषय पंक्ति:* वरिष्ठ नागरिक कल्याण)